

# श्री रामावरील हिंदी पदे

पद १३३

(राग: यमन जिल्हा - ताल: त्रिताल)

या जग मो रघुनाथ तोरे बिन मोरा नहीं कोई रे ॥ध्रु.॥ संपत माता  
पिता कबीला । कुंवर बहेन और भाई रे । अंत समय कोई साथ  
नहीं आवे । जावे अकेला वोही रे ॥१॥ झूठी काया झूठी माया ।  
झूठा जगत पसारा रे । मानिक के मन यही समझकर । स्मरत रहो  
रघुबीरा रे ॥२॥